Ref. :........................ Date :........................

6.3.3

Brochures / Reports along with Photographs with date and caption

PRINCIPAL
Bhagwan Prasad Sheonath Prasad B.Ed. College
Daudnagar, Aurangabad (Bihar)

BHAGWAN PRASAD SHEONATH PRASAD B.Ed. COLLEGE

Report of Workshop On Nai Talim Experiential Learning

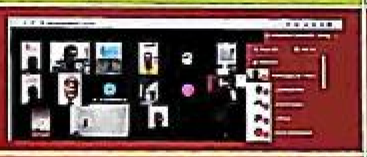

2020

Near Kera village, Patna Road,
Daudnagar, Aurangabad, Bihar-824113

Phone No.- 9334818458, 995562236, 7542927888

Editor-
Dr. Amit Kumar
&
Mr. Nishant Kumar

Email- bpspbedcollegedn@yahoo.in

Website-www.bpspbedcollege.in

Report

of

One Day Online Workshop

On

Nai Talim Experiential Learning

For the Teacher Educators from the State of Bihar

(D.El.Ed., B. Ed., M.Ed., and the Teachers from the Discipline of Education)

Date: 13th July 2020 (Monday)

Organized by

Bhagwan Prasad Sheonath Prasad B.Ed. College

Daudnagar, Aurangbad, Bihar

In Collaboration with

Mahatma Gandhi National Council of Rural Education

(Department of Higher Education, Ministry of HRD, GOI, Hyderabad)

Designed by - Mr. Nishant Raj

विषय–सूची

1. कार्यशाला का उद्देश्य
2. परिचय
   - 2.i.कालेज के बारे में
   - 2.ii .एमजीएनसीआरइ के बारे में
   - 2.iii . नई तालीम के बारे में
3. उद्घाटन सत्र
4. कार्यशाला का प्रथम सत्र
5. कार्यशाला का द्वितीय सत्र
6. कार्यशाला का तृतीय सत्र
7. कार्यशाला का चतुर्थ सत्र
8. प्रतिभागियों के विचार
9. विदाई भाषण
10. निष्कर्ष
11. प्रतिकिया विश्लेषण (फीडबैक फार्म)
12. परिशिष्ट–कार्यकम अनुसूची
13. कार्यशाला की झलकियां
14. समाचारपत्रों का कतरन
15. प्रतिभागियों की सूची

1.कार्यशाला का उद्देश्य

कार्यशाला का उद्देश्य सभी क्षेत्रों के जानकारों को एक जगह पर विचारों के आदान–प्रदान के लिए मंच उपलब्ध कराना है। विभिन्न विषयों पर कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है, जिससे नये लोगों से मिलने, नयी–नयी चीजें सीखने एवं गहन अध्ययन के अवसर प्राप्त होते हैं। कार्यशाला का मूल उद्देश्य यह होता है कि प्रतिभागी अपनी छिपी प्रातिभाशक्ति और ज्ञान का परिचय दे सकें, प्रदर्शन कर सकें।

आज पूरी दुनिया कोरोना वायरस की महामारी ग्रसित है। सब कुछ अस्त–व्यस्त है। सभी लोग घरों में बंद हैं। किसी के मिलने पर पाबंदी है। ऐसे में कोविड–19 के संकट के बीच शिक्षा के क्षेत्र में एक बदलाव आया और डिजिटल सीखने को बढ़ावा मिला। नई डिजिटल तकनीकी के कारण आज हम दूर रहकर भी शिक्षा और शिक्षा से संबंधित चर्चाएं विचारों का आदान–प्रदान ऑनलाइन कार्यशाला के माध्यम से कर रहे हैं। ऑनलाइन शिक्षा और कार्यशाला कोविड–19 में एक वरदान साबित हुआ।

2.परिचय

2.ii. कालेज के बारे में

भगवान प्रसाद शिवनाथ प्रसाद बी. एड. कॉलेज, दाउदनगर, औरंगाबाद (बिहार) 2009 में स्थापित बिहार के सर्वाधिक प्रतिष्ठित अध्यापक–शिक्षा महाविद्यालयों में से एक है। विशेषकर गुणवत्तापूर्ण अध्यापक प्रशिक्षण के क्षेत्र में इस महाविद्यालय को अपने जिला और अपने क्षेत्र में गौरवपूर्ण स्थान है। यह महाविद्यालय राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (पूर्वी क्षेत्रीय समिति) भुवनेश्वर से मान्यता प्राप्त तथा मगध विश्वविद्यालय बोधगया एवं बिहार विद्यालय परीक्षा समिति, पटना से संबंधन प्राप्त है। अपनी स्थापना से लेकर आज तक इस महाविद्यालय का इतिहास अत्यंत गौरवशाली रहा है। यह महाविद्यालय अपनी मजबूत आधारभूत संरचना, समृद्ध पुस्तकालय, उन्नत प्रयोगशाला, सुसज्जित सूचना एवं प्रौद्योगिकी कक्ष तथा गुणवत्तापूर्ण अध्यापक प्रशिक्षण से संबंधित सभी प्रकार की संसाधन–सुविधा के लिए प्रसिद्ध है। इस महाविद्यालय में पठन–पाठन के अलावा समय–समय पर विभिन्न प्रकार के कियाकलाप का आयोजन भी होत रहता है। जैसे–झांकी, वाद–विवाद, स्वास्थ्य शिविर, जागरूकता अभियान आदि। इन सबका मुख्य उद्देश्य छात्र–छात्राओं के व्यक्तित्व में निखार लाना, नेतृत्व की योग्यता को बढ़ाना और सोचने एंव समझने की योग्यता को बढ़ाने में मदद करना है।

2.ii. एमजीएनसीआरइ के बारे में

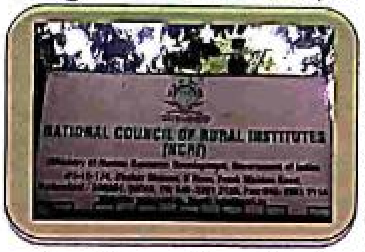

अनुभावात्मक शिक्षण को बढ़ावा देना महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद (एमजीएनसीआरइ) का मुख्य कार्य है। एमजीएनसीआरइ का पुराना नाम राष्ट्रीय ग्रामीण संस्थान परिषद (एनसीआरइ) था, जो 1995 में हैदराबाद में स्थापित हुआ था। 2018 में महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर इसका नाम परिवर्तित कर एमजीएनसीआरइ किया गया।यह मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार के तहत काम करती हैं, जो उच्च शिक्षा की पहुंच के माध्यम से ग्रामीण भारत को बढ़ावा देने का प्रयास करती है। यह परिषद भारत के विश्वविद्यालयों और स्वायत संस्थान द्वारा प्रस्तावित उच्च शिक्षा कार्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम इनपुट की डिजाइन विकसित करती और बढ़ावा देती है। पाठ्यक्रम इनपुट ग्रामीण भारत के लिए सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों क्षेत्र से संबंधित है। एमजीएनसीआरइ के लिए उच्च शैक्षिक धारा में ग्रामीण अध्ययन, ग्रामीण विकास, ग्रामीण प्रबंधन, सामाजिक कार्य और शिक्षा शामिल है।

2.iii. महात्मा गाँधी के नई तालीम के बारे में

गांधीजी की नई तालीम अनुभवात्मक अधिगम अर्थात सीखने की दृष्टि और दर्शन की समझ पर केंद्रित है। यह पाठ्यक्रम, कौशल–अनुभव, ज्ञान और भावात्मक शिक्षण की गतिविधियों में भाग लेने के लिए 3–एच (हेड, हैंड और हार्ड) पर आधारित है। प्रायोगिक शिक्षा एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से विद्यार्थी पारंपरिक शैक्षणिक प्रक्रिया से बाहर आकर प्रत्यक्ष अनुभवों से अपने ज्ञान–कौशल और सामाजिक मूल्यों का विकास करता है। यह छात्रों को बौद्धिक, रचनात्मक, भावनात्मक, सामाजिक या शारीरिक रूप से संलग्न रहने का अवसर प्रदान करता है। साथ ही साथ, विद्यार्थी–शिक्षक के लिए पहल करने, निर्णय लेने और परिणाम के प्रति जवाबदेह भी बनाता है। अनुभवात्मक शिक्षण या कार्य शिक्षा से छात्रों को उद्यमशील, आत्मनिर्भर बनाने और आजीवन सीखने में कैसे मदद मिलेगी, यह इसी दृष्टिकोण पर केंद्रित है।

प्रायोगिक शिक्षा के माध्यम से शिक्षा का उद्देश्य जीवन में अच्छी तरह से महसूस किया जा सकता है।

भगवान प्रसाद शिवनाथ प्रसाद बी. एड. कॉलेज, दाउदनगर, औरंगाबाद, बिहार।
और
महात्मा गाँधी नेशनल काउंसिल ऑफ रूरल एजुकेशन, हैदराबाद।
"ऑनलाइन एक दिवसीय कार्यशाला"

विषय :– "नई तालीम एक्सप्रिएन्टल लर्निंग" (**Nai Talim Experiential Learning**)

दिनांक 13/07/2020 को पूर्वाह्न 10:30 कार्यशाला के तकनीकी सहायक निशांत कुमार के द्वारा गूगल मीट पर ऑनलाइन कार्यशाला का संयोजन किया गया। इस ऑनलाइन कार्यशाला में महाविद्यालय के सचिव डा0 प्रकाश चंद्र, एमजीएनसीआरइ के अस्स्टिंट डाइरेक्टर डा0 देवेन्द्र नाथ दास, प्राचार्य डा0 अमित कुमार, मुख्य अतिथि मगध विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. (डा0) राजेन्द्र प्रसाद, और एमजीएनसीआरइ के चेयरमैन डा0 डब्लू जी प्रसन्ना कुमार के साथ दाउदनगर कॉलेज के प्राचार्य प्रो. एम. एस. इस्लाम, मगध विश्वविद्यालय के नोडल ऑफिसर डा0 संजय कुमार, मगध विश्वविद्यालय, शिक्षा विभाग के डा0 संजीव कुमार पाण्डेय, डाइट, भोजपुर (आरा) के व्याख्याता डा0 श्रवण कुमार अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस कार्यालय में बिहार के विभिन्न डी0एल0एड0,बी0एड0,एम0एड0 कालेज के सहायक प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, व्याख्याता एवं विषय विशेषज्ञ लोग एवं सभी प्रतिभागी शामिल हुए।

3.उद्घाटन सत्र

प्रथम सत्र के प्रारंभ में प्राचार्य डा0 अमित कुमार ने कार्यशाला को सुचारू रूप से चलाने के लिए एमजीएनसीआरइ के अस्स्टिंट डाइरेक्टर डा0 देवेन्द्र नाथ दास तथा सचिव डा0 प्रकाश चंद्र को आमंत्रित किया। डा0 प्रकाश चंद्र ने इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मगध विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. (डा0) राजेन्द्र प्रसाद, एमजीएनसीआरइ के चेयरमैन डा0 डब्लू जी प्रसन्ना कुमार, दाउदनगर कॉलेज के प्राचार्य प्रो. एम.एस. इस्लाम, मगध विश्वविद्यालय के नोडल ऑफिसर डा0 संजय कुमार, शिक्षा विभग, मगध विश्वविद्यालय के डा0 संजीव कुमार पाण्डेय, डाइट, भोजपुर (आरा) के व्याख्याता डा0 श्रवण कुमार तथा इस कार्यशाला में शामिल सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। डा0 चन्द्रा ने महाविद्यालय के गौरव इतिहास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज का दिन महाविद्यालय के लिए गौरव का दिन है।

आप सभी का अपना बहुमूल्य समय निकालकर इस कार्यशाला में शामिल होने के लिए आभार प्रकट करता हूँ। इस कार्यक्रम में आप सभी के शामिल होने पर महाविद्यालय गौरवान्वित महसूस कर रहा है। डा0 देवेन्द्र नाथ दास ने भी सभी अतिथियों का स्वागत किया।

4.कार्यशाला का प्रथम सत्र

कार्यशाला के मुख्य अतिथी एवं उद्घाटक मगध विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 (डा0) राजेन्द्र प्रसाद ने इस कार्यशाला के आयोजक को धन्यवाद दिया। कार्यशाला के विषय महात्मा गाँधी की नई तालीम पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नई तालीम की अवधारणा विकास केन्द्रित है। नई तालीम के द्वारा व्यक्ति की मानसिक, शारीरिक एवं आर्थिक आत्मनिर्भरता प्राप्त की जा सकती है। कोविड–19 की परिस्थिति में प्रधानमंत्री के मूल मंत्र आत्मनिर्भर भारत की प्रेरणा निश्चित तौर पर महात्मा गाँधी की नई तालीम से प्राप्त कर सकते हैं। डा0 प्रसाद ने यह भी कहा कि नई तालीम की अवधारणा को आधुनिक रूप में लागू कर व्यक्ति के मन, शरीर, व आत्मा का समग्र विकास किया जा सकता है।

एमजीएनसीआरइ के चेयरमैन डा0 डब्लू . जी. प्रसन्ना कुमार ने बिशेष आतिथ्य भाषण में नई तालीम के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि नई तालीम के द्वारा व्यक्ति का सम्पूर्ण विकास किया जा सकता है। व्यक्ति का विकास राष्ट्र का विकास है। यदि भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है तो निश्चित रूप से नई तालीम को आधुनिक रूप देकर उसे भारत की शिक्षण कक्षाओं में अनिवार्य रूप से लागू किया जाना चाहिए।

दाउदनगर कॉलेज के प्राचार्य प्रो. (डा0) एम. एस. इस्लाम इस वर्कशाप में अतिथि के रूप में शामिल होकर महात्मा गाँधी की नई तालीम के बारे में कहा कि गाँधी युग ग्रामीण भारत का था। भारत की आत्मा गाँवों में बसती है। नई तालीम निश्चित रूप से ग्रामिण अर्थव्यवस्था पर आधारित थी। आज नए संदर्भ में नई तालीम को नया रूप देकर व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है।

प्रथम सत्र के अन्त में मगध विश्वविद्यालय के नोडल ऑफिसर डा0 संजय कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कहा कि आज इस कार्यशाला के उद्घाटन कर्ता एवं मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो.(डा0) राजेन्द्र प्रसाद, एमजीएनसीआरइ के चेयरमैन डा0 डब्लू. जी. प्रसन्ना कुमार, दाउदनगर कॉलेज के

प्राचार्य प्रो. (डा0) एम. एस. इस्लाम, महाविद्यालय के सचिव डा0 प्रकाश चंद्र, एमजीएनसीआरइ के अस्स्टिंट डायरेक्टर डा0 देवेन्द्र नाथ दास, विषय विशेषज्ञ डा0 संजीव कुमार पाण्डेय, डा0 श्रवण कुमार, इस वर्कशाप के आयोजक मण्डल, तकनीकी सहायक श्री निशांत कुमार तथा सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद देता हूँ और इस कार्यशाला का आयोजन करने के लिए मैं भगवान प्रसाद शिवनाथ प्रसाद बीएड महाविद्यालय के प्राचार्य डा0 अमित कुमार को विशेष धन्यवाद देता हूँ।

5.कार्यशाला का द्वितीय सत्र

कार्यशाला के द्वितीय सत्र में एमजीएनसीआरइ के अस्स्टिंट डायरेक्टर डा0 देवेन्द्र नाथ दास एवं प्राचार्य डा0 अमित कुमार विषय विशेषज्ञ डा0 संजीव कुमार पाण्डेय,एसोसिएट प्रोफेसर, शिक्षा विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोध गया, का स्वागत किया गया।

नई तालीम एक्सप्रिएन्टल लर्निंग विषय पर विशेषज्ञ डा0 संजीव कुमार पाण्डेय ने विस्तार से चर्चा की। इस चर्चा में नई तालीम की रूप–रेखा पर विमर्श किया गया। इस नइ तालीम को आज के परिवेश में शिक्षा,शिक्षण कार्य, उत्पादकता से प्रयोगात्मक रूप से कैसे सम्बद्ध किया जाय, इन मुद्दों पर विस्तृत रूप से चर्चा की गई।

6.कार्यशाला का तृतीय सत्र

इस कार्यशाला के तृतीय सत्र के प्रारम्भ में प्राचार्य डा0 अमित कुमार द्वारा नई तालीम विषय विशेषज्ञ डा0 श्रवण कुमार,व्याख्याता, डाइट, भोजपुर, आरा का स्वागत किया गया। डा0 श्रवण कुमार ने नई तालीम के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला तथा राष्ट्र के विकास में नई तालीम की व्यापक संभावना पर चर्चा की। साथ ही, नई तालीम में शिक्षा शब्द को भी परिभाषित किया। डा0 श्रवण कुमार ने नई तालीम को आधुनिक समय के लिए भी प्रासंगिक बताते हुए कहा कि आज के भौतिकवादी युग में गाँधी जी की नई तालीम से संबंधित शिक्षा मानवता के भटकाव को सही दिशा प्रदान कर सकती है।

7.कार्यशाला का चतुर्थ सत्र

कार्यशाला के चतुर्थ सत्र की समूह–चर्चा में एमजीएनसीआरइ के असिस्टेंट डायरेक्टर डा0 देवेन्द्रनाथ दास, डा0 श्रवण कुमार, महाविद्यालय के सहायक प्रोफेसर प्रो. पंकज कुमार, प्रो. रामचंद्र यादव ने भाग लिया। इन सभी ने नई तालीम के कार्य और शिक्षा से सम्बंध स्थापित करने, श्रम और भागीदारी की अवधारणा, नई तालीम के प्रायोगिक फील्ड, प्रायोगिक शिक्षण पद्धति का उपयोग आदि विषयों से प्रतिभागियों को परिचित कराया।

8.प्रतिभागियों के विचार

इस कार्यशाला में 66 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया जिसमें से कुछ प्रतिभागियों ने भी अपनी जिज्ञासा, अपने प्रश्न रखे।

सारिका ठाकुर, सहायक प्राध्यापक, भगवान प्रसाद शिवनाथ प्रसाद बी. एड. कॉलेज ने कहा कि गाँधी की नई तालीमके द्वारा आत्मनिर्भर भारत, बेरोजगारी उन्मूलन, ज्ञान भक्ति (भाव) कर्म के समन्वय आदि को नवीन रूपों में परिभाषित किया जा सकता है। गाँधी जी की वैचारिक प्रासंगिकता पर जोर दिया। कहा कि इस तरह के सार्थक, प्रेरक पहल के लिए आयोजक समिति को सहृदय धन्यवाद देती हूँ।

डा0 शाजिया फातमा, व्याख्याता, डाइट, सोनपुर, सारण ने कहा कि नई तालीम के गाँधीवादी प्रस्ताव ने विद्यालयी पाठ्यक्रम के केन्द्र में उत्पादकता, मानवीय श्रम के आधार पर काम और शिक्षा के बीच विरोधाभास को चुनौती दी है।

चन्दन कुमार, सहायक प्राध्यापक, डीपीआरपी बी. एड. कॉलेज, औरंगाबाद ने कहा कि महात्मा गाँधी की भारत को जो देन हैं, उनमें बुनियादी शिक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण एवं बहुमूल्य है। उनकी तालीम को राष्ट्रवादी दृष्टि से व्यावहारिक रूप दिया जाना चाहिए।

शशि रंजन, पी.एच.डी. स्कॉलर, महात्मा गाँधी, वर्धा ने कहा कि नई तालीम की शिक्षा वर्तमान परिदृश्य में मूल्यों को जोड़ने का कार्य कर रही है, क्योंकि वर्तमान समय में विद्यार्थी अपने मूल्यों को खोता जा रहा है। नई तालीम विद्यार्थी को जमीनी स्तर से जोड़कर शिक्षा प्रदान करने का कार्य करता है, जिसमें विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ रोजगार संबंधी कार्य भी करने का भी अवसर प्राप्त होता है। इससे विद्यार्थी स्कूली शिक्षा प्राप्त करने के साथ किसी व्यवसाय को भी कर सकने में सक्षम होता है।

9.विदाई भाषण

कार्यशाला के अंतिम सत्र में महाविद्यालय के प्राचार्य डा0 अमित कुमार ने इस वर्कशाप में शामिल मुख्य अतिथि, अन्य अतिथियों, विषय विशेषज्ञ, आयोजक मण्डल, सभी प्रतिभागी, मीडियाकर्मी, इन सभी को कार्यशाला में शामिल होने के लिए आभार प्रकट किया तथा धन्यवाद दिया।

डा0 कुमार ने विशेष रूप से एमजीएनसीआरइ के असिस्टेंट डायरेक्टर डा0 देवेन्द्रनाथ दास का आभार प्रकट किया, जिन्होंने इस तरह की कार्यशाला के आयोजन का अवसर प्रदान किया।

डा0 कुमार ने तकनीकी सहायक श्री निशांत कुमार का भी विशेष आभार प्रकट किया और कहा कि इस कार्यशाला के लिए उन्होंने हर क्षण तत्परता और अपनी कार्यक्षमता के साथ अपना दायित्व निभाया। इस आयोजन की शानदार सफलता की मेजबानी के लिए हर्ष भी व्यक्त किया।

10.निष्कर्ष

इस कॉलेज के द्वारा आयोजित कार्यशाला में शामिल सभी वक्ताओं ने अपने जो विचार प्रस्तुत किये, उन विचारों के आधार पर हम इस निष्कर्ष पर पहुँचते हैं कि आज के इस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के युग में यदि हम सभी अपने राष्ट्र को आत्मनिर्भर बनाना चाहते है और भारत के गौरवशाली परंपरा, वैभव और सांस्कृतिक विरासत को अक्षुण्ण रखना चाहते हैं तथा राष्ट्र की एकता अखण्डता को बनाये रखना चाहते हैं तो इसके लिए महात्मा गाँधी की नई तालीम को प्राथमिकता देनी होगी।

11.प्रतिकिया विश्लेषण

सभी 64 प्रतिभागियों से प्रतिकिया एकत्र की गई। कार्यशाला से संबंधित लेशन प्लान, समय प्रबंधन, प्रश्न और उनके विचारों को पूछा गया, जो इस प्रकार हैं–

The Workshop extended my understanding of the concept.

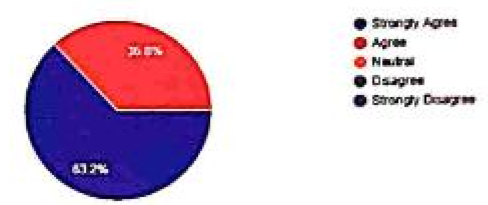

The materials presented in the workshop is relevant to the present scenario.

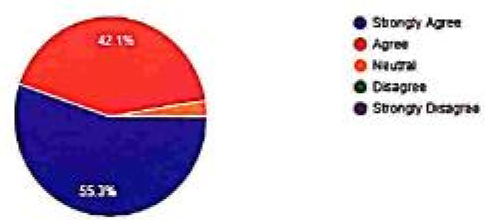

The experiential learning is applicable for your area.

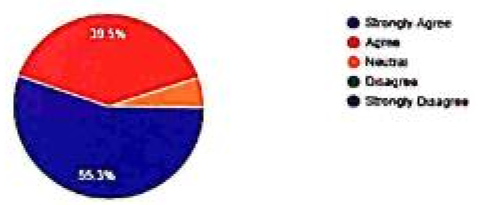

The Resource Persons' Knowledge of the subject area was good.

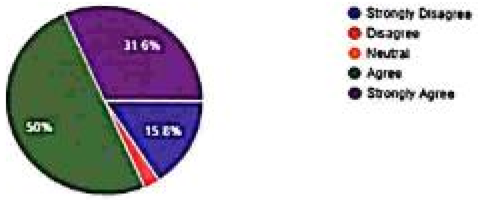

The Resource Persons' explained the material well.

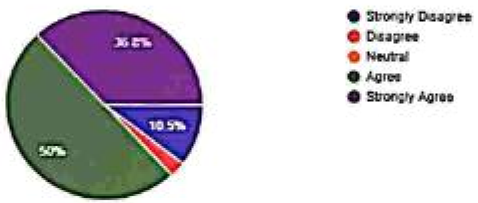

The apps used in the workshop was run well.

The workshop was well Organized.

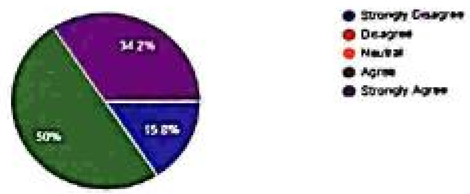

The balance between lectures and the hands-on session was optimal.

What are the applications you have learned from this workshop?

A- Overall Development
B- Self Dependency
C- Basic Education
D- Social Upliftment
E- Others

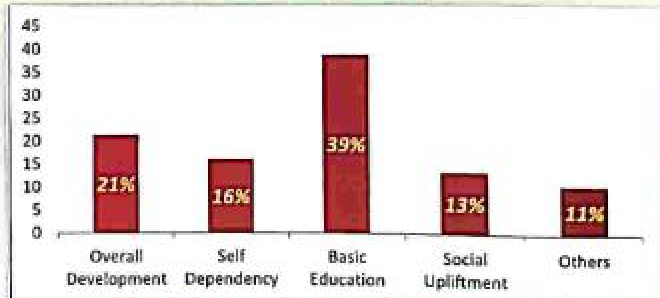

13. Would you recommend some suggestions regarding the Workshop?

A- इस तरह वर्कशॉप का आयोजन समय-समय पर होना चाहिए, ताकि शिक्षकों को नई शिक्षण विधियों और आयामों के बारे में जानकारी प्राप्त हो सके। इससे छात्र लाभान्वित होंगे।

-ऐसे महत्वपूर्ण विषयों पर कार्यशालाएं आयोजित किया जाय।

-this type of work shop should be conducted reaguraly .

-Such type of webinar may be organised in future also.

-इस विषय पर कार्यशाला का आयोजन तब तक निरंतर जारी रखने की आवश्यकता है, जब तक हम सब अपने मिशन में सफल न हो जाएं।

B- छात्रों की रचनात्मक शैली को पहचाना जाए, हस्तशिल्प गुणों का विकास किए जाएं, आधुनिक शिक्षा में विज्ञान एवं क्रके सीखने पर जोर दिया जाए ।

C- Well organized learning activities will able to teach students the skills to apply knowledge into practice, motivation, positive learning and students are interested in learning.

D- Others

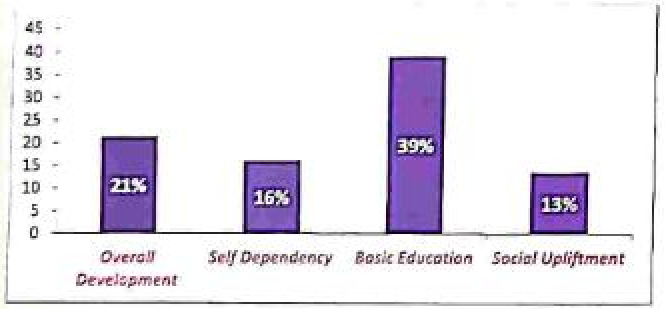

12- Programme Schedule

13/07/2020 (Monday)		
Session – I 11.00 am – 12.00 pm **Inauguration**	Welcome Address Introduction of Guests	Dr. Debendra N Dash, MGNCRE, Hyderabad & Dr. Prakash Chandra, Secretary, BPSP B.Ed. COLLEGE, Daudnagar
	Inaugural Address	Dr. Rajendra Prasad, Hon'ble VC, Magadh University, Bodh-Gaya & Prof. M.S. Islam, Principal, D.N. College, Daudnagar
	Inaugural Address & Introduction to Nai Talim Experiential Learning Vote of Thanks	Dr. W. G. Prasanna Kumar Chairman, MGNCRE & Mr. Sanjay Kumar Nodal Officer, MU, Bodh-Gaya
Session – II 12.00 pm to 12.45pm	Keynote Address - Nai Talim Experiential Learning	Dr. Sanjeeva Kumar Pandey Asso. Prof., Dept. of Education, MU, Bodh- Gaya
12.45 pm to 1.30pm	***Lunch Break***	
Session – III 01.30 pm to 02.30pm	Presentations on Nai Talim Experiential learning Aspects/Activity (Nai Talim Output)	Dr. Debendra N Dash Dr. Sharwan Kumar
Session - IV 02.30 pm to 03.30pm	**Group Discussion and Writing on any one of the following aspects** 1. Work and Education 2. Community Engagement and Experiential Learning 3. Nai Talim and Field Engagement 4. Importance of Nai Talim / Experiential Learning as a curriculum rather than co-curriculum?	Dr. Debendra N Dash Dr. Sharwan Kumar Mr. Pankaj Kumar Mr. R.C. Yadav
Valedictory 03. 30 pm to 03. 35 pm	Participants' Views Vote of Thanks	Dr. Amit Kumar, Principal, BPSP B.Ed. COLLEGE, Daudnagar

13. कार्यशाला की झलकियाँ

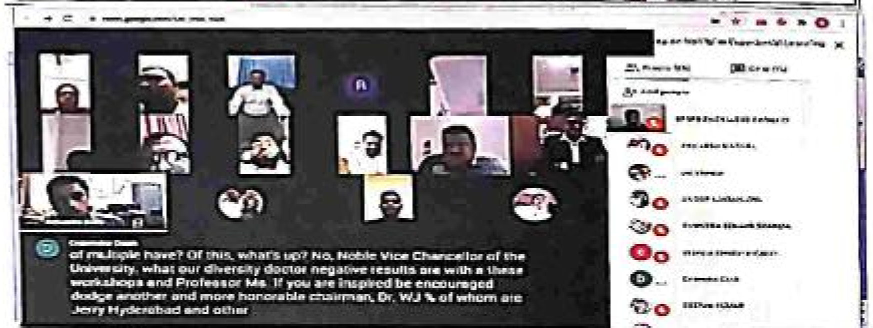

14. कार्यशाला आयोजन की खबरें समाचार पत्रों में

हिन्दुस्तान 14-7-2020 पेज न0–5

आत्मनिर्भर बनाने के लिए गांधी जी के मूल मंत्र अपनाएं

दाउदनगर। भगवान प्रसाद शिवनाथ प्रसाद बीएड कॉलेज में महात्मा गांधी नेशनल काउंसिल ऑफ रूलर एजुकेशन एमजीएनसीआरई के साथ मिलकर ऑनलाइन वर्कशॉप नयी तालीम का आयोजन किया गया। इस वर्कशॉप में शिक्षण संस्थान से जुड़े 75 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कॉलेज के सचिव डॉ प्रकाश चंद्रा एवं एमजीएनसीआरई के असिस्टेंट डायरेक्टर डा.देवेंद्र नाथ दास ने मुख्य अतिथि, अतिथियों एवं सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। मगध विश्वविद्यालय बोधगया के कुलपति डॉ राजेंद्र प्रसाद, दाउदनगर कॉलेज के प्राचार्य प्रो.डा.एम.एस इस्लाम एवं एमजीएनसीआरई के चेयरमैन डा.बबलू जी प्रसन्ना कुमार ने बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए कहा कि नयी तालिम राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की अवधारणा है और यह एक विकास पर केंद्रित है। इस वर्कशॉप में वक्ता के रूप में डिपार्टमेंट ऑफ एजुकेशन मगध विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर संजीव कुमार पांडेय, डायट भोजपुर के प्रवक्ता डॉ श्रवण कुमार, डॉ. देवेंद्र नाथ दास, संजय कुमार, एमयू के प्रवक्ता पंकज कुमार आदि ने विचार रखे।

दैनिक जागरण 14-7-2020 पेज न0–4

कार्यक्रम | व्यक्ति के मन, शरीर व आत्मा का समग्र विकास जरूरी

आत्मनिर्भर बनाने के लिए नई तालीम जरूरी

ऑनलाइन कार्यशाला में शामिल शिक्षाविद

दैनिक भास्कर — गया भास्कर 14-07-2020

कार्यक्रम • बीएड कॉलेज और महात्मा गांधी नेशनल काउंसिल ऑफ रूरल एजुकेशन की हुई ऑनलाइन वर्कशॉप

विकास केंद्रित अवधारणा है बापू की नई तालीम: वीसी

वेबिनार में ऑनलाइन कार्यशाला

दैनिक भास्कर — औरंगाबाद 14-07-2020

बीएड कॉलेज में ऑनलाइन वर्कशॉप का आयोजन, 75 प्रतिभागी हुए शामिल

सिटी रिपोर्टर | दाउदनगर

दाउदनगर के भगवान प्रसाद शिव नाथ प्रसाद बी. एड. कॉलेज में महात्मा गांधी नेशनल काउंसिल ऑफ रूरल एजुकेशन के साथ मिलकर ऑनलाइन वर्कशॉप का आयोजन सोमवार को किया गया। इस वर्कशॉप में शिक्षण संस्थान से जुड़े लगभग 75 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कॉलेज के सचिव डॉ. प्रकाश चंद्रा और एमजीएनसीआरई के असिस्टेंट डायरेक्टर डॉ. देवेंद्र नाथ दास ने इस सभा के मुख्य अतिथियों और सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। मगध विश्वविद्यालय बोधगया के कुलपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद, दाउदनगर कॉलेज के प्राचार्य प्रो. एमएस इस्लाम और एमजीएनसीआरई के चेयरमैन डॉ. डब्लू जी प्रसन्ना कुमार मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए कहा कि नई तालीम महात्मा गांधी की अवधारणा है और यह एक विकास पर केंद्रित है। लगभग 6 घंटे के इस वर्कशॉप में प्रवक्ता के रूप में मगध विश्वविद्यालय एसोसिएट प्रोफेसर डिपार्टमेंट ऑफ एजुकेशन डॉ. संजीव कुमार पांडेय, डॉ. श्रवण कुमार, डॉ. देवेंद्र नाथ दास, संजय कुमार बोधगया कॉलेज के प्रवक्ता पंकज कुमार, रामचंद्र यादव ने इस विषय पर अपने विचारों को प्रतिभागियों के सामने रखा व साथ ही प्रतिभागियों के प्रश्नों के उत्तर का जवाब दिया। सत्र के अंत में कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अमित कुमार ने वोट ऑफ थैंक्स किया। इस वर्कशॉप का आयोजन कॉलेज के प्राचार्य और तकनीकी सहयोग निशांत कुमार के देखरेख में किया गया।

न्यूज पोर्टल एवं ई–पेपर –SONEMATTEE.COM

सोनमाटी

sonemattee.com

नई तालीम है महात्मा गांधी की अवधारणा

संस्कार विद्या : आकाश और अनु रूपम दापर

प्रभात खबर 14-7-2020 पेज न0–4

देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए गांधी जी के मूल मंत्र को समझना बेहद जरूरी

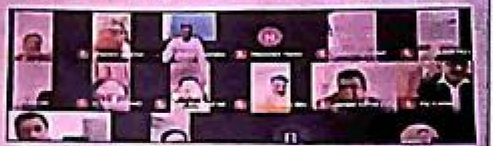

ऑनलाइन व्याख्यान में शामिल शिक्षाविद.

कि नयी तालिम राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की अवधारणा है और यह एक विकास पर केंद्रित है. मुख्य अवधारणा एक व्यक्ति के मन, शरीर और आत्मा का समग्र विकास है. लगभग छह घंटे की इस वर्कशॉप में वक्ता के रूप में व डिपार्टमेंट ऑफ एजुकेशन मगध विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर संजीव कुमार पांडेय, ... भोजपुर के प्रवक्ता डॉ श्रवण कुमार, डॉ देवेंद्र नाथ दास, संजय कुमार, मगध विश्वविद्यालय के बोधगया के प्रवक्ता पंकज कुमार, रामचंद्र यादव आदि ने अपने विचार रखे और प्रतिभागियों के सवालों का जवाब दिया. अंत में कॉलेज के प्राचार्य डॉ अमित कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन किया. तकनीकी सहयोग निशांत कुमार ने किया.

15.प्रतिभागियों की सूची

SI.No.	Name	Designation	Address (Institution/organisation/college)	Mobile no.
1	ANOOP KUMAR KANNAUJIYA	ASSISTANT PROFESIR	BPSP BED COLLEGE DAUD NAGER AURNGABAD BIHAR	8808984550
2	AJEET YADAV	ASSISTANT PROFESSOR	TRS COLLEGE OF EDUCATION & TECHNOLOGY KAUSHAMBI	8957599148
3	AMAR JEET SINGH YADAV'	ASSISTANT PROFESSOR	BPSP AURANGABAD BIHAR	8840500890
4	ANIMA KUMARI	ASSISTANT PROFESSOR	SHMTT.COLLEGE DHANBAD JHARKHAND	9709116589
5	CHANDRA SEKHAR SHARMA	ASSISTANT PROFESSOR	ADWAITA MISSION TRAINING COLLEGE, MANDAR VIDYAPEETH	9456671151
6	DEEPAK KUMAR MISHRA	ASSISTANT PROFESSOR	A.M.COLLEGE KATARI HILL ROAD GAYA	9931295861
7	DR JITENDRA SINGH	ASSISTANT PROFESSOR	TRS COLLEGE OF EDUCATION & TECHNOLOGY KAUSHAMBI UP	9918107499
8	DR RAJESH KUMAR	ASSISTANT PROFESSOR	SBPG COLLEGE DADAR ASHRAM SIKANDERPUR BALLIA U P	9927498561
9	DR T. BLESSY	ASSISTANT PROFESSOR	BETHLAHEM COLLEGE OF EDUCATION, KARUNGAL	9487352132
10	DR. AMIT KUMAR	ASSISTANT PROFESSOR	B M A COLLEGE, BAHERI, DARBHANGA,BIHAR, PIN-847105	7979956079
11	DR. YASHWANT YADAW	ASSISTANT PROFESSOR	BHAGWAN PRASAD SHEONATH PRASAD B.ED. COLLEGE DAUDNAGAR AURANGABAD BIHAR	9450584917
12	DR.SARAH BASU	ASSISTANT PROFESSOR	BAREILLY COLLEGE	9997213680
13	ISHITA	ASSISTANT PROFESSOR	DEPARTMENT OF EDUCATION, NALANDA COLLEGE,BIHAR SHARIF,NALANDA,BIHAR ,803101	9308347008
14	JETYANDRA KUMAR SINGH	ASSISTANT PROFESSOR	D.P.R.P. B.ED. COLLEGE CHITRAGOPI AURANGABAD	9097858082
15	KRIPA SHANKAR YADAV	ASSISTANT PROFESSOR	NEHRU GRAM BHARATI (DEEMED TO BE UNIVERSITY), PRAYAGRAJ	9208613061
16	MAHENDRA SINGH	ASSISTANT PROFESSOR	MAA ARANYA DEVI B.ED COLLEGE ARA	9453532902
17	MANAS RANJAN BECK	ASSISTANT PROFESSOR	MODEL DEGREE COLLEGE	8984702872

18	MITHILESH KUMAR SHUKLA	ASSISTANT PROFESSOR	BMTTC MOTIHARI	9807850303
19	MOHD SOHAIL AHMAD	ASSISTANT PROFESSOR	B. P. S. P. B. ED. COLLEGE, DAUDNAGAR, AURANGABAD, BIHAR	7866812511
20	MOHINI SINGH VISHEN	ASSISTANT PROFESSOR	MADAN MOHAN MALVIYA PG COLLEGE BHAT PAR RANI DEORIA UP	9149189593
21	MR. DEEPAK KUMAR	ASSISTANT PROFESSOR	SITAMARHI, BIHAR	9798491043
22	PANKAJ KUMAR	ASSISTANT PROFESSOR	B.P.S.P B.ED COLLEGE DAUDNAGAR AURANGABAD	9472075510
23	PINKI KUMARI	ASSISTANT PROFESSOR	NALANDA COLLEGE, BIHAR SHARIF, NALANDA , BIHAR ,803101	8789249814
24	PREM PRAKASH	ASSISTANT PROFESSOR	TAPINDU INSTITUTE OF HIGHER STUDIES, PATNA	9308467525
25	RAJESH KUMAR YADAV	ASSISTANT PROFESSOR	D.B.P.G CLLAGE BACHHARAWAN RAEBARELI UTTAR PRADESH	9889488910
26	RAM CHANDRA YADAV	ASSISTANT PROFESSOR	BHAGWAAN PRASAD SHEONATH PRASAD B. ED. COLLEGE DOUDNAGAR AURANGABAD	9006141569
27	RAMESH KUMAR AWASTHI	ASSISTANT PROFESSOR	BCMT US NAGAR UTTARAKHAND	9410219124
28	RUPAM RAGINI	ASSISTANT PROFESSOR	TAKSHILA COLLEGE OF EDUCATION, PATNA	7070255644
29	SARIKA THAKUR	ASSISTANT PROFESSOR	B.P.S.P. B.ED COLLEGE DAUDNAGAR AURANGABAD BIHAR	9511803927
30	SHIVASHREY YADAV	ASSISTANT PROFESSOR	NEHRU GRAM BHARTI DEEMED TO BE UNIVERSITY KOTWA JAMUNIPUR PRAYAGARAJ	44945470665 5
31	UMESH CHAUHAN	ASSISTANT PROFESSOR	KERA, DAUDNAGAR, AURANGABAD BIHAR	9098158272
32	UTTAM MONDAL	ASSISTANT PROFESSOR	BTTTC TRIPURA	9735627729
33	SHAGUFTA NIGAR	ASSISTANT PROFESSOR & HEAD (D.EL.ED.COURSE)	L. K. MISHRA COLLEGE OF TEACHER EDUCATION DARBHANGA,BIHAR	7491962399
34	DIGVIJAY SINGH	ASSISTANT TEACHER	P S OYARCHAK, CHANDAULI, UTTAR PRADESH	7398057433
35	DR. SANJEEVA KUMAR PANDEY	ASSOCIATE PROFESSOR	MAGADH UNIVERSITY, BODHGAYA	9470470461
36	DR. VIVEKANAND SINGH	ASSOCIATE PROFESSOR	DOE, MAGADH UNIVERSITY BODHGAYA BIHAR	9415504903
37	DR.SEEMA SHARMA	ASSOCIATE PROFESSOR	RABINDRANATH TAGORE UNIVERSITY BHOPAL	8962462604

38	SATYENDRA SINGH YADAV	ASSISTANT PROFESSOR	BHAGWAN PRASAD SHEONATH PRASAD B ED. COLLEGE	9415885949
39	ABHISHEK KUMAR	ASSISTANT PROFESSOR.	RAMESH JHA MAHILA COLLEGE	9334927241
40	AKHILESH SINGHEL	ASSISTANT PROFESSOR	BPSP B.ED. COLLEGE DAUDNAGAR AURNGABAD BIHAR	9455345696
41	CHANDAN KUMAR	ASSISTANT PROFESSOR	DASHRATH PRASAD RAMNANADAN PANDEY B.ED.COLLEGE,CHITRAGOPI,AURANGABAD(BIHAR)	7870082000
42	ASHISH KUMAR MISHRA	ASSISTANT PROFESSOR	UPS BAHADURPUR HUKMI,PILIBHIT	9411074702
43	CHANDRA SHEKHAR PRAJAPATI	EDUCATION	VIDYA COLLEGE OF PROFESSIONAL STUDIES, PATNA	8887625074
44	DR.GEETA RANI	HOD, DEPARTMENT OF TEACHER EDUCATION	4C VASUNDHRA GHAZIABAD	9650866855
45	CHANDRA PRAKASH MANI TRIPATHI	LECTURER	D.I.E.T. SASARAM,ROHTAS,BIHAR	8840741849
46	DR MD AKHLAQUR RAHMAN	LECTURER	DIET BIKRAM PATNA	7416539447
47	DR. KUMARI VINEETA	LECTURER	DIET, BANKA	8294757491
48	DR. PUSHKAR KUMAR	LECTURER	DIET NALANDA, NOORSARAI	9431212306
49	DR. SHAZIA FATMA	LECTURER	DIET, SONEPUR	9470415440
50	JAMAL AHMED	LECTURER	DIET, PUSA, SAMASTIPUR	9122973622
51	KUMAR ANAND	LECTURER	CTE BHAGALPUR BIHAR	9431089883
52	NIRAJ KUMAR	LECTURER	PRIMARY TEACHER EDUCATION COLLEGE, PHULWARIA, BHAGALPUR	9931203818
53	NISHANT KUMAR	LECTURER	BPSPBEDCOLLEGE DAUDNAGAR	9955622367
54	RASHMI KUMARI	LECTURER	PTEC MASAURHI PATNA (BIHAR)	8789041626
55	SEEMA FULERA	LECTURER	B.N.R. TRAINING COLLEGE GULZARBAGH, PATNA	8630074198
56	AJAYA KUMAR ROUT	LECTURER IN EDUCATION	ANCHALIKA MAHAVIDYALAYA GADIA, MAYURBHANJ , BARIPADA	7205450220
57	PAWAN KUMAR	PGT HINDI	KENDRIYA VIDYALAYA SANGTHAN	8414091959

58	VIVEK KUMAR	POST GRADUATE TEACHER	RANI MANDAKINI+2HIGH SCHOOL KARON DEOGHAR	9006010176
59	DR. AMIT KUMAR	PRINCIPAL	BHAGWAN PRASAD SHEONATH PRASAD B.ED COLLEGE DAUDNAGAR,AURANGABAD .	9334818458
60	DR. RAJ KUMAR GOYAL	PROFESSOR	MODEL PUBLIC EDUCATION COLLEGE CHANDAUSI SAMBHAL UP	9870803282
61	DEEPAK KUMAR	RESEARCH SCHOLAR	CUSB, GAYA, BIHAR	8409821130
62	ANIL KUMAR YADAV	TEACHER	PS SARYUPATTI	8299771130
63	VANI VANDANA BISWAL	TEACHER EDUCATOR	KSUB,CTE	9090407486
64	SHRUTI	TRAINED GRADUATE TEACHER	GOVERNMENT MIDDLE SCHOOL KANYA KARON DEOGHAR	9472236068
65	PINKI KUMARI	ASSISTANT PROFESSOR	BPSP B.ED. COLLEGE DAUDNAGAR AURNGABAD BIHAR	7903506763
66	BABITA DERHGAWEN	ASSISTANT PROFESSOR	BPSP B.ED. COLLEGE DAUDNAGAR AURNGABAD BIHAR	7991141181

Workshop – 2018

18/08/2018

PRINCIPAL
Bhagwan Prasad Sheonath Prasad B.Ed. College
Daudnagar, Aurangabad (Bihar)

CONFERENCE - 2018

04|12|18

PRINCIPAL
Bhagwan Prasad Sheonath Prasad B.Ed. College
Daudnagar, Aurangabad (Bihar)

Workshop — 2019

13/09/2019

PRINCIPAL
Bhagwan Prasad Sheonath Prasad B.Ed. College
Daudnagar, Aurangabad (Bihar)

Workshop - 2019

PRINCIPAL
Bhagwan Prasad Sheonath Prasad B.Ed. College
Daudnagar, Aurangabad (Bihar)

SEMINAR - 2019

22/01/2019

PRINCIPAL
Bhagwan Prasad Sheonath Prasad B.Ed. College
Daudnagar, Aurangabad (Bihar)

PRINCIPAL
Bhagwan Prasad Sheonath Prasad B.Ed. College
Daudnagar, Aurangabad (Bihar)

CONFERENCE-2019

12/01/2019

PRINCIPAL
Bhagwan Prasad Sheonath Prasad B.Ed. College
Daudnagar, Aurangabad (Bihar)

Workshop – 2020

27/11/20

PRINCIPAL
Bhagwan Prasad Sheonath Prasad B.Ed. College
Daudnagar, Aurangabad (Bihar)

SEMINAR-2020

03/02/2020

PRINCIPAL
Bhagwan Prasad Sheonath Prasad B.Ed. College
Daudnagar, Aurangabad (Bihar)

CONFERENCE-2020

20/09/2020

PRINCIPAL
Bhagwan Prasad Sheonath Prasad B.Ed. College
Daudnagar, Aurangabad (Bihar)

PRINCIPAL
Bhagwan Prasad Sheonath Prasad B.Ed. College
Daudnagar, Aurangabad (Bihar)

Workshop - 2021

21/07/2021

PRINCIPAL
Bhagwan Prasad Sheonath Prasad B.Ed. College
Daudnagar, Aurangabad (Bihar)

CONFERENCE- 2021

09/09/2021

PRINCIPAL
Bhagwan Prasad Sheonath Prasad B.Ed. College
Daudnagar, Aurangabad (Bihar)

Workshop - 2022

07/10/2022

PRINCIPAL
Bhagwan Prasad Sheonath Prasad B.Ed. College
Daudnagar, Aurangabad (Bihar)

SEMINAR-2022

29/01/2022

PRINCIPAL
Bhagwan Prasad Sheonath Prasad B.Ed. College
Daudnagar, Aurangabad (Bihar)

CONFERENCE - 2022

29/03/2022

PRINCIPAL
Bhagwan Prasad Sheonath Prasad B.Ed. College
Daudnagar, Aurangabad (Bihar)

Ref. :........................ Date :........................

6.3.3

List of participants

PRINCIPAL
Bhagwan Prasad Sheonath Prasad B.Ed. College
Daudnagar, Aurangabad (Bihar)

Ref. :........................ Date :........................

participants

- ✓ Teaching Staff
- ✓ Non-Teaching Staff
- ✓ Students
- ✓ Alumni Students

PRINCIPAL
Bhagwan Prasad Sheonath Prasad B.Ed. College
Daudnagar, Aurangabad (Bihar)